



आखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

बुधवार 15 मार्च 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

विपक्ष की ओर से अडानी और हिंडनबर्ग से जुड़े मुद्दे को उठाया गया, सत्ता पक्ष राहुल गांधी के विदेश में दिए बयान का मुद्दा उठाता रहा



नई दिल्ली: बजट सत्र के दूसरे भाग के दूसरे दिन मंगलवार को हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही नहीं चल सकी। हालांकि, राज्यसभा में थोड़े समय के लिए ऑस्कर पुरस्कार जीतने पर आरआरआर और एलिफेंट विस्पर पर संक्षिप्त चर्चा हुई, लेकिन कार्यवाही पहले दो बजे तक और फिर दिनभर के लिए

स्थगित कर दी गई। लोकसभा में सुबह सदन की शुरुआत होते ही ही इस दौरान अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी नेताओं को प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध किया। लेकिन, हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। फिर दोपहर दो बजे के बाद सदन को दिनभर के लिए

थम नहीं रहा संसद में हंगामा

स्थगित कर दिया गया। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही हंगामे के चलते मंगलवार को दोपहर दो बजे तक और फिर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामा विपक्ष की ओर से अडानी-हिंडनबर्ग मामले पर चर्चा की मांग और दूसरी तरफ सत्ता पक्ष की ओर से राहुल गांधी की विदेश में की गई टिप्पणी पर कड़े रुख के चलते हुआ। राज्यसभा में कार्यवाही की शुरुआत ऑस्कर में फिल्म आरआरआर और एलिफेंट विस्पर पर संक्षिप्त चर्चा के साथ हुई। इस दौरान फिल्म और कला जगत से जुड़े सदन के सदस्यों तथा विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने दोनों से जुड़ी टीम को बधाई दी। इसके बाद राज्यसभा में

सदन के नेता व केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी की विदेश में की गई टिप्पणी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने देश के बाहर जाकर यह बयान दिया है। इसके पीछे कोई मंशा छिपी हुई लगती है। उन्हें सदन से माफ़ी मांगनी चाहिए। गोयल ने अन्य पार्टियों की चुप्पी और समर्थन पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि बाकी पार्टियों की इस मुद्दे पर चुप्पी शर्मनाक है। यह चिंता का विषय है कि अन्य पार्टियां उनके बयान पर कुछ नहीं कह रहीं। इसके बाद हंगामे को बढ़ता देख सभापति जगदीप धनखड़ ने कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

बाद में कार्यवाही के दोबारा शुरू होने पर पीयूष गोयल ने कहा कि कांग्रेस नेता ने संसद पर टिप्पणी की है और दोनों सदन इसमें आते हैं। उनकी इस बात का समर्थन केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने भी किया। उन्होंने कुछ उदाहरण देते हुए कहा कि संसद की कार्यवाही के विषय पर की गई टिप्पणियों को सदन में उठाया जा सकता है। पूरे विषय पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वे वरिष्ठ नेताओं से चर्चा करने के बाद इस विषय पर कोई राय रखेंगे और सदन को इससे अवगत करायेंगे। इसके बाद कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया।

ऑस्कर के बहाने खड़गे का मोदी पर तंज

नई दिल्ली: ऑस्कर में भारत को दो अवॉर्ड मिलने की खुशी राज्यसभा तक पहुंच गई। दरअसल, द एलिफेंट विस्पर के अलावा एएसएस राजमौली की फिल्म आरआरआर के गाने 'नाटू-नाटू' को बेस्ट ऑरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। आरआरआर के राबटर के विजयेंद्र कुमार राज्यसभा के सदस्य भी हैं। इस पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने चर्चा की बात कही। इसके बाद काँग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से लेकर समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन तक ने भारतीय फिल्म जगत की जमकर तारीफ की। इस दौरान खड़गे ने तो

सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज भी कसा। खड़गे ने आरआरआर के गाने नाटू-नाटू को ऑस्कर मिलने पर सराहना की। सरकार पर कटाक्ष किया और कहा, 'उम्मीद है कि मोदी सरकार इन पुरस्कारों का श्रेय नहीं लेगी। खड़गे बोले- रूटिंग पार्टी ये न कह दे कि हमने इसे डाइरेक्ट किया है: खड़गे ने कहा कि पहली बार नाटू-नाटू गाने को ऑस्कर में अवॉर्ड मिला है। 'द एलिफेंट विस्पर' ने भी पुरस्कार जीता है। अच्छी बात ये है कि ये दोनों ही अवॉर्ड दक्षिण भारतीय फिल्मों को मिले हैं। हमें बेहद खुशी है। मेरा आग्रह है कि रूटिंग पार्टी इसका क्रेडिट जमकर तारीफ की। इस दौरान खड़गे ने तो

योगी सरकार रामनवमी पर कराएगी अखंड रामायण पाठ

लखनऊ: यूपी की सिवासत गरमा गई है। इस बार रामनवमी पर योगी सरकार अखंड पाठ कराने के निर्देश के बाद अब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तीखा तंज कसा है। अखिलेश ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर योगी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया लेकिन जिलाधिकारियों को दी जाने वाली रकम को लेकर तीखा तंज भी किया। **भाजपा सरकार त्योंहारों पर फ्री सिलेंडर दे:** अखिलेश यादव ने कहा- "रामनवमी मनाने के लिए उग्र



के जिलाधिकारियों को 1 लाख रुपये दिये जाने के प्रस्ताव का स्वागत है पर इतनी कम रकम से होगा क्या, कम से

कम 10 करोड़ देने चाहिए जिससे सभी धर्मों के त्योहारों को मनाया जा सके।

यूपी में निकाय चुनाव की सुगबुगाहट

पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल, अप्रैल में अधिसूचना और मई में चुनाव

लखनऊ: राज्य सरकार ने नगर निकाय चुनाव में पिछड़ी जातियों का आरक्षण तय करने के लिए गठित उग्र राज्य समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दी। अब कोर्ट इस प्रकरण पर सुनवाई कर फैसला देगा, जिसके आधार पर सरकार आगे की कार्रवाई करेगी। वहीं, सूत्रों का कहना है कि कोर्ट के दिशा-निर्देश के मुताबिक ही निकाय चुनाव में पिछड़ों को आरक्षण देने की प्रक्रिया तय की जाएगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा निकाय चुनाव में पिछड़ों के लिए आरक्षित सीटों की जारी सूची पर विवाद होने के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। कोर्ट ने राज्य



सरकार को पिछड़ा वर्ग का आयोग गठन करके निकाय चुनाव में पिछड़ों को दिए गए आरक्षण का परीक्षण कराने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने आयोग को 31 मार्च तक रिपोर्ट

तैयार करने की समयसीमा तय की थी। इसी कड़ी में गठित आयोग ने तय समयसीमा से करीब 22 दिन पहले अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। सरकार ने भी आयोग की

रिपोर्ट को कैबिनेट से मंजूरी देने के बाद उसे सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दिया है। नगर विकास विभाग प्रमुख सचिव अमृत शंभिजात और न्याय विभाग के अधिकारी सोमवार सुबह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और अधिवक्ता के जरिए आयोग की रिपोर्ट दाखिल कर कोर्ट से इस प्रकरण पर सुनवाई के लिए तारीख देने का अनुरोध किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखा जाएगा कि इस रिपोर्ट के आधार पर निकाय चुनाव में पिछड़ों की हिस्सेदारी की प्रक्रिया तय करते हुए उनके लिए सीटें आरक्षित करने और चुनाव कराने की अनुमति दी जाए।

देश के सभी मंडलों तक शाखा को विस्तार देगा संघ

संघ ने राहुल को दी बोलने में सावधानी बरतने की सलाह, आरएसएस समान-लिंग विवाह पर केंद्र के दृष्टिकोण से सहमत

समालखा/नई दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश करने से पूर्व चाहता है कि वह देश के सभी मंडलों तक शाखाओं का विस्तार कर दे। इसके लिए हरियाणा के सोनीपत में स्थित पट्टीकल्याणा में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में विस्तार से चर्चा हुई है। उसके लिए आगामी वर्ष में कार्यकर्ताओं तक इसकी रूपरेखा भेजी जाएगी। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के अंतिम दिन यहाँ एक संवाददाता

सम्मेलन में कहा कि मंडल स्तर पर संघ की शाखाओं का विस्तार महत्वपूर्ण है। संघ का 2025 शताब्दी समारोह 2024 में विजयादशमी से शुरू होगा। संघ कार्य के विस्तार को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले कोविड के कालखंड में उसके कार्यक्रमों विशेषकर फील्ड के कार्यक्रमों जैसे शाखा आदि में थोड़ी कठिनाईयाँ आई थीं, लेकिन पिछले वर्ष में जिस तेज गति से काम हुआ है उससे प्रत्येक क्षेत्र में काम से कम नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वह आगामी समय में इसकी ओर



विस्तार से और खासकर संघ ने यह विचार किया है कि वह अपने सामाजिक समरसता का अभियान जो वह पहले से चलाता आ रहा है

परिवारिक मूल्यों के लिए और कुटुम्ब प्रबोधन के कार्यक्रमों को और गति देगा। साथ ही साथ पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य करेगा। लोक जागरण जो सामाजिक जीवन मूल्य हैं उनके प्रति लोगों को जागृत करेगा। कुछ सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि यह बैठक पूरी तरह से सामाजिक ढांचे को चुस्त-दुरुस्त रखने और भारत राष्ट्र और हिन्दू व भारतीय समाज को संगठित करने के लिए आयोजित थी। इसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक व अन्य प्रकार की चर्चा नहीं हुई।

वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेन टिकट पर फिर से मिले छूट

नई दिल्ली: संसद की एक स्थायी समिति ने कोरोना महामारी से पहले वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में मिलने वाली छूट को फिर से बहाल करने की सिफारिश की है। भारतीय रेलवे सभी वरिष्ठ नागरिकों को मेल, एक्सप्रेस, राजधानी, शताब्दी, दूरतो समेत सभी ट्रेनों की सभी श्रेणियों में यह छूट देती थी जिसे 20 मार्च, 2020 से बंद कर दिया गया था। भारतीय रेलवे साठ साल से अधिक आयु के पुरुष यात्रियों को किराये में 40 प्रतिशत की छूट देती थी।

'जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा'



नई दिल्ली: दुनिया में यह समझ बनने लगी है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इससे जुड़ा कोई भी मामला भारत का आंतरिक मामला है। यह बात विदेश मंत्रालय ने हाल ही में जारी अपनी सालाना रिपोर्ट में कही है। **भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में जुटा पाकिस्तान:** वर्ष 2022-23 की इस सालाना रिपोर्ट में पाकिस्तान, चीन, अमेरिका, रूस समेत दुनिया के दूसरे देशों के साथ भारत के रिश्तों और इस वर्ष के दौरान घटित हो रहे वैश्विक घटनाक्रम व इससे भारत के हितों पर पड़ने वाले प्रभावों की समीक्षा रिपोर्ट में पाकिस्तान-भारत के रिश्तों पर काफी प्रकाश डाला गया है। भारत ने यह दोहराया है कि वह अपने पड़ोसी देश के साथ शांति व सद्भाव का रिश्ता रखना चाहता है, लेकिन यह भी कहा है कि घरेलू और राजनीतिक असफलता से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भारत के खिलाफ आक्रामक व काल्पनिक दुष्प्रचार

चलाता है। जम्मू-कश्मीर के बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा है कि उनका देश वैश्विक जगत को कश्मीर के मुद्दे पर अपनी बात मनवाने में असफल रहा है। पहली बार पाकिस्तान के विदेश मंत्री की तरफ से ऐसी बात कही गई है। **हर मंच पर पाकिस्तान अलापता है कश्मीर का राग:** भारत हमेशा से कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की तरफ से की गई किसी भी टिप्पणी को अपने अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप के तौर पर लेता है। इसके बावजूद पाकिस्तान की तरफ से तकरीबन हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का राग अलापा जाता रहा है। **आतंकवाद के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करे पाकिस्तान:** पाकिस्तान के बारे में इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत ने हमेशा से अपने पड़ोसी देश को कहा है।

चीनी मोबाइल फोन के 11 ब्रांड का उपयोग करने से परहेज करने की सलाह जारी

सेना ने 11 ब्रांड के चीनी मोबाइल फोन इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली: भारतीय सेना ने देश भर में तैनात सैन्य कर्मियों के चाइनीज फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। नई दिल्ली स्थित सेना मुख्यालय के सैन्य खुफिया अधिकारियों ने देश भर में तैनात सैनिकों को चीनी मोबाइल फोन के 11 ब्रांड का उपयोग करने से परहेज करने की सलाह जारी की है। मिलिट्री इंटेलिजेंस के महानिदेशक ने एडवाइजरी में फॉर्मेशन और यूनिट कमांडरों को चीनी मोबाइल फोन के इस्तेमाल से होने वाले खतरों के बारे में सैनिकों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।



सेना मुख्यालय की ओर से जारी एडवाइजरी में सैनिकों और उनके परिवारों को दुश्मन देश की कंपनियों के मोबाइल फोन खरीदने या इस्तेमाल करने से बचने की सलाह दी है। इस सूची में चीनी कंपनी

वीवो, ओप्पो, ऑनर, श्याओमी, वन प्लस, रियल मी, जेडटीई, मीजु, जिओनी, इन्फिनिकस और आसुस के मोबाइल फोन शामिल हैं। सलाह में यह भी कहा गया है कि जिन जवानों के पास उक्त कंपनियों के मोबाइल फोन हैं, वे 30 मार्च तक अवश्य बदल लें। सैन्य खुफिया अधिकारियों ने फॉर्मेशन और यूनिट कमांडरों को चीनी मोबाइल फोन के इस्तेमाल से होने वाले खतरों के बारे में सैनिकों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही इस संबंध में 30 मार्च तक पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

चीन शीर्ष पांच आयातकों और निर्यातकों दोनों में शामिल

भारत अभी भी हथियारों का सबसे ज्यादा आयात करने वाला देश

नई दिल्ली: भारत अभी भी दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक देश बना हुआ है। हालांकि वर्ष 2013-17 और वर्ष 2018-22 के बीच भारत द्वारा हथियारों के आयात में 11 प्रतिशत की कमी आई है। थिंक टैंक स्ट्रॉक्होम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। **आयात में गिरावट का कारण जटिल खरीद प्रक्रिया:** रिपोर्ट के मुताबिक, भारत द्वारा हथियारों के आयात में गिरावट का कारण जटिल खरीद प्रक्रिया, हथियार आपूर्तिकर्ताओं में विविधता का प्रवास और आयातों की जगह स्थानीय डिजाइन को



अपनाने का प्रयास है। सिपरी का कहना है कि वर्ष 2018-22 के दौरान हथियारों के

जबकि पांच सबसे बड़े निर्यातक अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी रहे। वर्ष 2018-22 के दौरान पाकिस्तान हथियारों का आठवां सबसे बड़ा आयातक रहा। इस दौरान उसके आयातक में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और चीन उसका मुख्य आपूर्तिकर्ता है। **फ्रांस के हथियारों के निर्यात में 44 प्रतिशत की वृद्धि:** वर्ष 2013-17 और वर्ष 2018-22 के बीच फ्रांस के हथियारों के निर्यात में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें से अधिकतर निर्यात एशिया और ऑशिनिया देशों को किए गए। वर्ष 2018-22 के दौरान फ्रांस के कुल हथियार निर्यात का 30 प्रतिशत भारत को किया गया।

साल 2024-25 तक 1.75 लाख करोड़ के रक्षा निर्माण का लक्ष्य

नई दिल्ली: सरकार ने कहा कि उसने 2024-25 तक 35,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्माण सहित 1,75,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्माण का लक्ष्य रखा है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि 2021-22 में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा निमाताओं द्वारा किए गए उत्पादन का मूल्य 86,078 करोड़ रुपये था। इनके द्वारा किए गए उत्पादन का मूल्य वर्ष 2020-21 में 88,631 करोड़ और 2019-20 में 63,722 करोड़ रुपये था।

बाल अपचारी की तलाश

सम्बन्धित मु.अ.सं. 345/22 धारा 363 आईपीसी याना औद्योगिक क्षेत्र के प्रकाश में आये बाल अपचारी मो. इसरार उर्फ साहिल पुत्र निजासुदीन निवासी ग्राम मुंगांरी याना- औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज रंग-गोरा, उम्र- करीब 16 वर्ष



पहनावा- सफेद शर्ट, धारीदार नीला जीन्स पहने हुए स्थान-ग्राम मुंगांरी, दिनांक 12/13.12.2022 को अपने साथ कथित अपहृता दिव्या साहू पुत्री अनिल साहू को लेकर फरार है। इनका पता बताने वाले को उचित इनाम दिया जायेगा।

थाना प्रभारी, थाना औद्योगिक क्षेत्र जनपद प्रयागराज मो.9454402829, 9651412495

